www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
19 नवंबर 2025, नई दिल्ली

• पांच प्रदेश • 23 संस्करण

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की अर्जी पर 21 नवंबर को सुनवाई होगी

सुविधा | नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ ने एयरपोर्ट साइट का निरीक्षण किया, सुरक्षा उपकरणों के बारे में जानकारी ली

एयरपोर्ट में कैब की पार्किंग, विमानों का होल्डिंग-बे तैयार

प्रोजेक्ट अपडेट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए टैक्सी और कैब की पार्किंग तैयार हो गई है। ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर में 1200 वाहनों की पार्किंग बन गई है। टैक्सी-वे और होल्डिंग-बे भी तैयार हैं।

एयरपोर्ट का प्रथम चरण में 1334 हेक्टेयर में निर्माण कार्य पूरा हो गया है। यहां करीब दो कार्गो समेत 28 विमानों को खड़ा करने के लिए एप्रन बने हैं। इसके अलावा ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर (जीटीसी) में 1200 वाहनों की पार्किंग और चार्जिंग नेटवर्क का प्रबंध हो गया है। इसके अलावा विमानों को टर्मिनल बिल्डिंग तक यात्री सुविधा के लिए एयरोब्रिज तक पहुंचने के लिए टैक्सी-वे और होल्डिंग-बे भी तैयार हो गए हैं। होल्डिंग-बे में विमान टेकऑफ से पहले थोड़ी देर के लिए खड़ा होता है, ताकि रनवे का ट्रैफिक सुचारु रूप से चलता रहे। इसे एयरपोर्ट पर विमानों का वेटिंग जोन समझा जा सकता है।

एयरपोर्ट परिसर में दो टर्मिनल के बीच कुल 20 एकड़ में जीटीसी तैयार किया गया है। यहां कैब, टैक्सी और बसें खड़ी हो सकेंगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा रोडवेज से बस सेवा, ऊबर, रेपिडो के साथ टैक्सी के लिए करार किया है। इन बसों और टैक्सी के लिए पार्किंग तैयार हो चुकी है।

विशेष विमानों से तकनीकी जांच जारी

एयरपोर्ट पर अब भी विशेष विमानों से तकनीकी जांच जारी है। अलग-अलग ऊंचाइयों पर उड़ान भर रहे ये निरीक्षण विमान रनवे एलाइनमेंट, अप्रोच पाथ, रेडियो फ्रीक्वेंसी, संचार व्यवस्था और हवाई यातायात की सटीकता माप रहे हैं। एयरपोर्ट पर रविवार को विशेष विमान नजर आया। विमान ने एयरपोर्ट के पास खेतों, खुले मैदानों और गांवों के ऊपर से उड़ान भरकर ऑब्स्टैकल मैपिंग की।

मुख्यमंत्री का दौरा फिर संभव

बेंगलुरु से लौटने के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ आरके सिंह ने एयरपोर्ट साइट पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने बमों की पहचान करने वाली मशीनों, एंटी हाईजैकिंग सिस्टम, थ्रीडी रडार सिस्टम और अन्य यंत्रों को परखा। उनके इस निरीक्षण के कई कयास लगाए जा रहे। 15 दिसंबर तक उड़ानें शुरू करने की तैयारी है। संभावना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर तैयारियां परखने के लिए आ सकते हैं।